वर्ष : 7 • अंक : 28 • अप्रैल-जून 2021 • ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका)

(International Peer Reviewed Refereed Journal of Multidisciplinary Research)

(A Scholarly Peer Reviewed Journal)

विशेष सूचना :

विचार की प्रतिबद्धता में राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

रूपेश कुमार चौहान
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक
द्वारा 47, ब्लॉक ए-3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली-43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।
दूरभाष संख्या-09555222747, 9267944100, 9555666907
Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vsirj.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी अथवा संस्कृत भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 5000 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्भावना स्पष्टत: नहीं है। अत: इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख आमंत्रित हैं। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* प्रत्येक अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध रहता है।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण नि:शुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**

*** शोध-पत्र हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति (Peer Reviewed Committee) के द्वारा द्वि-स्तरीय समीक्षित होकर प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2347-6605

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

सलाहकार परिषद् :

- **डॉ. एम.एस. चौहान**
(निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान, करनाल, हरियाणा)
- **प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय**
(पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- **प्रो. मदन मोहन अग्रवाल**
(पूर्व कला संकाय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री**
(पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- **प्रो. गिरीश चन्द्र पंत**
(अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **प्रो. रामनाथ झा**
(संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राजवीर शर्मा**
(पूर्व प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **प्रो. शम्स-उल-इस्लाम**
(प्रधानाचार्य, गया कॉलेज, गया, बिहार)
- **प्रो. राम सरेख सिंह**
(पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. पवन अग्रवाल**
(हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम**
(अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया)
- **प्रो. आभा त्रिवेदी**
(पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. कमला उपाध्याय**
(विभागाध्यक्षा, संस्कृत, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. रसाल सिंह**
(प्रोफेसर, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू)
- **डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर**
(राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं प्रसिद्ध दलित चिंतक)
- **डॉ. विक्रमादित्य राय**
(अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- **प्रो. राजेश रंजन**
(पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- **प्रो. सत्यदेव पोद्दार**
(इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. काशीनाथ जेना**
(राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. मनीष सिन्हा**
(अध्यक्ष, इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **डॉ. एम. रहमतुल्लाह**
(कंसल्टिंग एडिटर, दूरदर्शन न्यूज, भारत सरकार)

Editor
Dr. Rupesh Kumar Chauhan
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
M.A. (History)
Mob : 9555222747, 9540468787,
9267944100

Executive Editior
Dr. Pramod Kumar Singh
M.A., Ph.D. (Sanskrit), M.A. (Philosophy)
Gold Medalist
Assistant Professor,
Department of Sanskrit, Maitreyi College,
University of Delhi
Mob : 9717189242

Sub.- Editor
Dr. Rajesh Kumar
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
Asst. Prof., Department of Sanskrit
PGDAV College, University of Delhi
Mob. 9555666907, 9891526584

Co- Editor
Abhishek Priyadarshi
M.A., Ph.D. (History),
Asst. Prof., History Department
Satyawati College, University of Delhi
Mob. 9971656921

Legal Advisor :
Arun Kumar Shukla
LL.B., LL.M., D.U.
Mob. : 7011474039, 9650088311

Managing Editor
Thakur Prasad Chaubey
Mob. : 9810636082

Office Addresses :
Head Office (Delhi) :
Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, ***Delhi-****110033*
Mob : 9267944100

Branch Office (Bihar) :
Prof. D.S. Chauhan
C/o Late Bindeshwari Singh, Jaiprakash Nagar, Gewal Bigha,
Gaya-*823001*
Mob. : 9263078395

Branch Office (International) :
• Mrs Kirthee Devi Ramjatton
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

Correspondence Address :
B-11/39, MIG Flats, Near DDA Market,
Sector 18, Rohini, Delhi-110089
Mob : 9555222747
www.vsirj.com

Designer :
Kawal Malik, J.D. Computers
Mob. : 9818455819

सम्पादक मंडल :

- **डॉ. वी.के. यादव**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. शाहिद तस्लीम**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **डॉ. कृष्ण लाल**
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. शंकर नाथ तिवारी**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. दिलीप कुमार झा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. जितेन्द्र कुमार**
(असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, अनुग्रह नारायण स्मारक महाविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय)
- **डॉ. देवेन्द्र नाथ ओझा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, एमिटी इंस्टीट्यूट फॉर संस्कृत स्टडीज, एण्ड रिसर्च, एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, नोएडा)
- **डॉ. राजमोहिनी सागर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. वी.के. तोमर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चंद्रशेखर पासवान**
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा)
- **डॉ. के.के. झा**
(सीनियर लेक्चरर, हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मोका, मॉरिशस)
- **डॉ. सुधीर कुमार सिंह**
(राजनीति विभाग, दयाल सिंह कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. सुभाष कुमार सिंह**
(संस्कृत विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चन्द्रशेखर राम**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. नन्दिनी सहाय**
(समाज-शास्त्र, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
(Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute, Moka - 80808 Mauritius)

संरक्षक :

प्रो. मदन मोहन अग्रवाल

पूर्व अध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष,

संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो. दलवीर सिंह चौहान

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग,

मगध विश्वविद्यालय, बोध गया, बिहार

प्रो. राजवीर शर्मा

पूर्व उपाचार्य, राजनीति शास्त्र विभाग,

आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय,

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

Kawal Malik

Mob. 9818455819

J.D. Computers

All Types of Hindi, English, Sanskrit Typing,
Job Work and Printing

2157, Outram Line, Near Canara Bank,
Kingsway Camp, G.T.B. Nagar, Delhi-110009

Email : malikkawal@gmail.com

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय ..... *viii*

प्रेमचंद का खेतिहर एवं मजदूर समाज की स्थिति ... 1
डॉ. रत्नेश कुमार सिंह

अथर्ववेदस्य सामाजिकं महत्त्वम् 6
वेदमित्र आर्य:

शैलीविज्ञान में चयन संयोजन प्रतिमान और अग्रप्रस्तुति प्रतिमान में अंतर और अंतर्संबंध 8
डॉ. कमलेश सरीन

वर्तमान मीडिया का बदलता स्वरूप 14
डॉ. सरोज कुमारी

पूर्व मध्यकालीन मत्स्य की एक मन्दिर-नगरी राज्यपुर (राजगढ़) 17
आशिद खान

रूपावतार एवं प्रक्रियाकौमुदी में परस्पर साम्य-वैषम्य 21
प्रो. सत्यपाल सिंह/किरण

औद्योगिक महिला श्रमिकों की दशा 26
डॉ. मुन्नी चौधरी

भक्ति काव्य की नयी समझ : कुछ नये विचार 41
डॉ. अलका मिश्रा

सीलोर ग्राम के कालबेलिया जनजाति में सामाजिक परिवर्तन का अध्ययन 46
दीन दयाल वर्मा / डॉ. शर्मिला कुमारी

अशोक वाजपेयी की आलोचना-प्रवृति 51
धीरेन्द्र मोहन मीना

श्रम की स्वीकार्यता और कामकाजी महिलाएँ 56
पूनम कुमारी

विवेकख्याति प्राप्ति का साधन-राजयोग 59
डॉ. राजीव कुमार मिश्र

प्रगतिवाद की अवधारणा का मूल्यांकन 68
ब्रजेश कुमार

ऋता शुक्ल के उपन्यासों में चित्रित ग्राम्य-संस्कृति 71
साक्षी कुमारी

हिन्दी के नुक्कड़ नाटक : उद्‌भव एवं विकास ... 74
डॉ. रतन अरविन्द

राजा राममोहन राय की पत्रकारिता और सांस्कृतिक दृष्टि 80
डॉ. भवानी दास

मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में परिवार 84
मुनेश देवी

मौर्य एवं गुप्तकाल के मध्य सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति : एक दृष्टि 88
अनूप कुमार मलिक

भीष्म साहनी की 'प्रतिनिधि कहानियां' में व्यक्त मानवीय-सरोकार 94
संतोष कुमार भारद्वाज

राष्ट्रीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता 98
डॉ. अमित कुमार पाण्डेय

समकालीन हिंदी कविता और धूमिल 102
डॉ. अवधेश कुमार

हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में घराना परम्परा 107
डॉ. सुनीति दत्ता

वैश्वीकरण के दौर में हिंदी : विस्तार एवं संभावनाएं 114
प्रदीप कुमार

केशव कृत रामचन्द्रिका का काव्य सौंदर्य 118
अभिनव

समकालीन कविता में अभिव्यक्त किसान जीवन का यथार्थ और भूमंडलीकरण 122
सोनिका

नागार्जुन की कविता में स्वर 127
सज्जन कुमार

विश्व भाषा के रूप में हिन्दी 131
डॉ. शशि रानी

महात्मा गाँधी का अनासक्तियोग 135
सतीश कुमार मिश्र

उर्वशी : काम की उदात्त चेतना 139
डॉ. अर्चना गौड़

मानसिक तनाव, स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन 142
डॉ. ममता श्याम / डॉ. बीना अग्रवाल

स्त्री लेखन और स्त्री भाषा 147
डॉ. पूनम कुमारी

प्रेमचन्द की कहानी-कला 150
डॉ. ऋतु सागर

भारतेन्दु के साहित्य में राष्ट्रीयता 155
निखिलेश्वर शरण मिश्र

भारतीय संघीय व्यवस्था में बाल अधिकारों का स्वरूप 160
डॉ. उमा देवी

अभिज्ञानशाकुन्तलम् के सन्दर्भ में मनस् तत्व 167
डॉ. भवानी रामचंद्रन

हिंदी नवजागरण और स्त्री 171
नवनीत कुमार

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन : विस्मृत महानायकों की अविस्मरणीय विरासत 176
संध्या कुमारी

'वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति' का पुनर्मूल्यांकन ... 179
डॉ. संजय कुमार सेठ

जीवन मूल्य और बदलते समय की चुनौतियाँ ... 186
डा. अंजू

सम्पादकीय

वाक् सुधा का **अप्रैल-जून 2021** का अंक आप सबके समक्ष प्रस्तुत है। गत वर्ष 2020 की तरह 2021 चुनौतियों से भरा वर्ष सिद्ध हो रहा है। 2021 में कोरोना महामारी की दूसरी लहर ने भयंकर विध्वंस किया। मानवता कराहने लगी। अभी भी कोरोना खत्म नहीं हुआ। इस दूसरी लहर में ऑक्सीजन की कमी और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में हजारों लोगों की जान चली गई। अप्रैल-मई के बाद सरकार की प्राथमिकताओं में स्वास्थ्य सेवा नि:संदेह एक नंबर पर होनी चाहिए है। कोरोना की तीसरी लहर भी आ सकती है इसलिए हम सबको समय-समय पर दिए गए सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए। सरकारी आंकड़ों की बात करें तो कोरोना महामारी की पहली लहर में जहां मेडिकल ऑक्सीजन की मांग 3,095 मीट्रिक टन थी जो दूसरी लहर में बढ़कर 9,000 मीट्रिक टन हो गई। सरकारी आंकड़ों में यह भी कहा गया कि 28 मई तक राज्यों को 10,250 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की सप्लाई की गई। सबसे ज्यादा 1200 मीट्रिक टन ऑक्सीजन महाराष्ट्र और कर्नाटक को दी गई। कोरोना के कहर से और ऑक्सीजन की कमी से निपटने के लिए 1500 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट लगाए जा रहे हैं। इन ऑक्सीजन प्लांट से से चार लाख से अधिक ऑक्सीजन युक्त बेड को ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा सकती है। हम सब यह कामना कर सकते हैं कि यह ऑक्सीजन प्लांट यथाशीघ्र चालू हो जाएं। ऑक्सीजन की महत्ता को रेखांकित करने के लिए इस अंक के कवर पृष्ठ पर ऑक्सीमीटर से लेकर ऑक्सीजन प्लांट तक की तस्वीरों को लगाया गया है। हम सब शॉर्ट मेमोरी वाले होते जा रहे हैं। बहुत दिनों तक हम सबको याद नहीं रहेगा कि कैसे हम सबने ऑक्सीजन के लिए त्राहिमाम करते देखा था। सोशल मीडिया पर कैसे एक ऑक्सीजन बेड और सेलेंडर के लिए हम सब गुहार लगा रहे थे।

बहरहाल, अब स्थिति सुधर रही है। टीकाकरण अभियान बड़े पैमाने पर चल रहा है। हम सब का दायित्व है कि स्वयं टीकाकरण कराएं और लोगों को भी जागरूक करें। पूरे देश में मुफ्त टीकाकरण होने पर भी बहुत सारे लोगों में एक तरह की भ्रांति भी है। यह बात सही है कि जबतक अधिकांश लोगों का टीकाकरण नहीं होगा तब तक स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी को खोलना संभव नहीं होगा। इस बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भी एक साल होने ही वाला है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कौशल विकास के साथ-साथ वैश्विक नागरिक के रूप में युवा पीढ़ी के निर्माण का भी लक्ष्य रखा गया है। जिसके लिए बच्चों एवं युवाओं के सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी मुख्य रूप से प्राध्यापकों को ही सौंपी गई है। इसलिए मुझे लगता है शिक्षकों का दायित्व बढ़ने वाला है। कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न शैक्षणिक वातावरण में यह नया दायित्व शिक्षकों के लिए और भी कठिन होगा। प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में बड़े फैक्टर में से एक है। नई शिक्षा नीति में मल्टीपल एंट्री और एग्जिट की जो व्यवस्था है उससे एक ही क्लॉस और एक ही कोर्स में विद्यार्थियों को जकड़े रहने की मजबूरी से मुक्ति मिल गई है। उसका यूनिवर्सिटी पर क्या प्रभाव पड़ता है यह देखने वाली बात होगी। अंत में एक विशेष बात कि वाक् सुधा का यह अंक परंपरागत कलेवर और तेवर से अलग है। इस विकट परिस्थितियों के बीच नियमित रूप से यह अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका हो रही है यह भी कोई कम बड़ी उपलब्धि नहीं है। आप सब अपना सहयोग और आशीर्वाद इस पत्रिका के प्रति बनाएं रखें। इसी कामना के साथ आप सभी विद्वान शोधपत्र लेखकों का आभार।

– राजेश कुमार
उपसंपादक